an>

Title: Problems being faced by the people belonging to Hindu community who have migrated from Pakistan and residing in various districts of Rajasthan.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के गृह मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र बीकानेर और उसके आसपास लगे जोधपुर के समाचार पत्रों में यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित हो रही है कि विगत कुछ महीनों से पाकिस्तान में दर्जनों हिन्दुओं की हत्या की गई, करीब 30 से 40 हिन्दू मारे गए हैं। लेकिन वहां एक के खिलाफ भी अब तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दुओं में भयानक भय का वातावरण पैदा हो गया है। इसलिए वहां से काफी संख्या में लोग धार्मिक वीज़ा लेकर भारत आते हैं, अभी कुछ आए भी हैं। लेकिन भारत में भी उनके साथ होने वाले व्यवहार और पुनर्वास की प्राब्लम के कारण, रिसीविंग मेकेनिज्म विकसित नहीं होने के कारण, मानसिक प्रताड़ना के साथ जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं। प्रताड़ित होने वाले ये सभी लोग अनडिवाइडेड फैमिली के भाग हैं। ये लोग 1947 से पहले राजस्थान के जोधपुर, फलौदी, बाड़मेर, बीकानेर आदि स्थानों से वहां काम करने के लिए गए थे। राजस्थान के राजस्व विभाग में आज भी उनके पुरखों के नाम दर्ज हैं। लेकिन मजदूरी करने के कारण वे सिंध-अमरकोट, बहावलपुर आदि स्थानों पर गए थे और वहीं बस गए। आज उनके साथ पाकिस्तान में मानवीय व्यवहार नहीं हो रहा है। ये लोग सम्मान के साथ जीवन जीना चाहते हैं और वापस भारत आना चाहते हैं। वहां वे प्रताड़ना झेल रहे हैं। अतः मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार के गृह मंत्री जी से यह मांग है कि मानवीय दृष्टिकोण के आधार पर इसके लिए एक पूरा तंत्र विकसित किया जाए, जिससे मूल रूप से भारत के नागरिक, लेकिन वर्तमान में पाकिस्तान के नागरिक, जब भारत आएं तो सम्मान के साथ अपना जीवन जी सकें।

माननीय अध्यक्ष:

श्री पी.पी. चौधरी और

डॉ. वीरेन्द्र कुमार, श्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा उठाए उपरोक्त विषय से अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।